मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 08 जुलाई 2014

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	08-07-14	09-07-14	10-07-14	11-07-14	12-07-14
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	40	39	38	37	36
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	30	28	28	28	27
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	0	3	4	3	6
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	65	63	65	66	66
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	29	30	30	34	37
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	22	20	20	22	22
हवा की दिशा	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाह :

मानसून की वर्षा होते ही खरीफ की फसल बाजरा, मूंग, मोठ व ग्वार की बुवाई के लिए निम्न किस्मों की सिफारिश की जाती है।

बाजरा :– आर.एच.बी 177, आई.सी.टी.पी. 8203, आर.एच.बी 121, आर.एच.बी 173, आर.एच.बी 154, जी.एच.बी. 538, एच.एच.बी 67(इम्प्रूव्ड)

मूंग :– के 851, आर.एम.जी 62, आर.एम.जी 268, आर.एम.जी 344, एस.एम.एल 668

मोठ :– आर.एम.ओ 40, आर.एम.ओ 435, आर.एम.ओ 257, आर.एम.ओ 225, काजरी मोठ-2

ग्वार :– आर.जी.सी 936, आर.जी.सी 1002, आर.जी.सी 1003, आर.जी.सी 1017, आर.जी.एम 112

मूंग, ग्वार व मोठ की फसल में झुलसा/पत्तों पर काले धब्बे वाले रोग से फसलों को बचाने के लिए बीजों को स्ट्रेप्टोसाइक्लिन (0.025 प्रतिशत) से उपचारित करके बोना चाहिये। इसके लिये आठ लीटर पानी में 2 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लिन घोलकर बीजों को दो घन्टे तक डुबोकर रखें व फिर बाहर निकाल कर छाया में सुखाकर बोने के काम में लेवें।

कुष्माण्ड कुल की सब्जियां लौकी, तुरई, टिण्डा, खीरा आदि की फसलों में बुवाई के 25–30 दिनों के बाद नत्रजन 30 किलो (62 किलो यूरिया) व फूल आने के समय 30 किलो नत्रजन (62 किलो यूरिया) प्रति हैक्टर की दर से खड़ी फसल में देकर सिंचाई करें।

पशुपालक बरसात से पहले अपने पशुओं में गलघोंटू व लंगड़ा बुखार रोग के टीके आवश्यक रूप से लगवायें। पशु आवास को स्वच्छ रखें।

पशुओं को बरसात से बचाव हेतु उचित प्रबन्ध करें। फर्श तथा बिछावन को सूखा रखें। मक्खी व मच्छर से बचाव करें।